# ७. विशारद (सांतवा वर्ष) भरत नाट्यम्

कुल अंक :- ७०० क्रियात्मक :- ५०० लैखिक/लिखित शास्त्र : ७०

नियत कार्य : ३० अंक

एसाइनमेन्ट : ७० अंक - मंच प्रदर्शन : १०० गुण समय १ साल (१५० से १८० कला का प्रशिक्षण)

क्रियात्मक परीक्षा समय - १ घंटा

* **क्रियात्मक** :

| | |
|---|---|
| १. शुद्ध नृत पक्ष | - २५० |
| २. अभिनय पक्ष | - १५० |
| ३. अंग शुद्धि | - २० |
| ४. वेशभूषा | - २० |
| ५. प्रस्तुति प्रभाव | - २० |
| ६. मौखिक शास्त्र (पढन्त सहित) | - ४० |

## *मंच प्रदर्शन के अंको का वर्गीकरण*

| | |
|---|---|
| १. लय, ताल | - १५ |
| २. अभिनय क्षमता | - २५ |
| ३. अंग शुद्धि | - १५ |
| ४. वेशभूषा | - २० |
| ५. प्रस्तुति प्रभाव | - २५ |

नोंध : (१) गत वर्षो के अभ्यासक्रम में से भी पूछा जा सकता है ।

(२) तबले एवं लहरे की संगति आवश्यक ।

(३) सभी रचनाओं की पढन्त अनिवार्य ।

(४) अभिनय पक्ष के अंतर्गत की गई रचनाओं के राग, ताल की जानकारी आवश्यक ।

## *क्रियात्मक*

* त्रिताल :- विस्तारपूर्वक पारम्परिक नृत्य एवं पढन्त करना आवश्यक है ।

| | |
|---|---|
| १. ठाट | - तीन मुखडे |
| २. आमद/उठान | - १ |
| ३. परनजुडी आमद | - १ |
| ४. नटवरी बोल का चक्रदार तोडा | - १ |
| ५. तिश्र / मिश्रजाति तोडा / परन | - १ |
| ६. त्रिपल्ली-१ / चोपल्ली | - १ |
| ७. नवहक्का | - १ |
| ८. परमेलु चक्रदार | - १ |
| ९. फरमाईशी/कमाली चक्रदार तोडा/परन | - १ |
| १०. यति को दर्शाता कोइ भी दो प्रकार | |
| ११. कवित्त/कविता तोडा | - २ |
| १२. गिनती की तिहाई | - २ |
| १३. बेदम तिहाई | - १ |
| १४. चक्रदार तिहाई | - १ |
| १५. चाला (चलन) | |
| १६. गतनिकास | - रुखसार, माँगटीका |
| १७. पिछले वर्षो की गतनिकास | |

* धमारताल :-

| | |
|---|---|
| १. ठाट | - २ मुखडे |
| २. आमद | - १ |
| ३. परनजुडी आमद | - १ |
| ४. चक्रदार परन | - १ |
| ५. फरमाईशी चक्रदार | - १ |
| ६. त्रिपल्ली / नवहक्का | - १ |
| ७. चक्रदार तिहाई | - १ |
| ८. कवित्त / कविता तोडा | - १ |
| ९. बाँट - छः प्रकार तिहाई सहित | |

* पंचम सवारी (मात्रा १५)

| | |
|---|---|
| १. लयकारी | - ठाह, दुगुन, चौगुन मैं गिनती तत्कार के बोल एवं ठेके के बोल |
| २. ठाट | - २ मुखडे |
| ३. आमद | - १ |
| ४. परनजुडी आमद | - १ |
| ५. शिव परन | - १ |
| ६. चक्रदार परन | - २ |
| ७. कवित्त / कविता तोडा | - १ |
| ८. तिहाई | - १ |

* अभिनय :-

१. विष्णु वंदना
२. अष्टपदी
३. प्रोषित भर्तुका, कलहान्तरिता, विरहोत्कंठिता, स्वाधीन, भर्तुका
   नायिका में किन्ही दो पर भाव प्रदर्शन (ठुमरी / पद / गतभाव)
४. बैठकर नवरस को दर्शाना
५. तराना / त्रिवट / चतुरंग (कोई भी एक)
६. गत वर्षो के गतभाव को छोडकर रामायण / महाभारत के कोइ भी एक प्रसंग को लेना है ।
   या नये विषय वस्तु पर गतभाव का प्रदर्शन ।

नोट : गायक, तबले एवं हार्मोनियम की संगत जरुरी है ।

* सभा नृत्य (मंच प्रदर्शन) - (१५ मिनिट) लाइव / रेकोर्डेड

## *लिखित शास्त्र*

१. मोहिनी अट्टम, एवं सत्रिय नृत्य की जानकारी ।
   (प्रान्त, उत्पत्ति, प्रस्तुतिकरण (सिर्फनाम), भाषा, वाद्य एवं संगीत, वेशभूषा)
२. अष्टनायिका में से प्रोषित भर्तृका, कलहान्तरिता, विरहोत्कंठिता तथा स्वाधीनभर्तृका की विस्तृत जानकारी ।
३. नायक भेद की संपूर्ण जानकारी ।
४. नवरसकी विस्तृत जानकारी ।
५. दशावतार की जानकारी संक्षिप्त में ।
६. नृत्यकी उत्पत्ति की पौराणिक कथा तथा उसकी जानकारी संक्षिप्त में ।
७. गुरु शिष्य परंपरा का महत्व ।
८. वर्तमान समयमें कथक नृत्य का स्थान ।
९. परिभाषा : ठुमरी, अष्टपदी, त्रिवट, उठान, यति, चतुरंग, चैती, कजरी, होरी
१०. लिपिबद्ध : सभी तालोंकी सभी रचनाए लिपिबद्ध करना आना जरुरी है ।

नोट : गत वर्षो के अभ्यासक्रम में से पूछा जा सकता है ।

## * नियत कार्य (Asignment) 30 गुण :

(१) गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व
(२) दशावतार
(३) सत्रिय नृत्य
(४) परिभाषा : ठुमरी, अष्टपदी, उठान
(५) परिभाषा : यति, चैति, कजरी, होरी
(६) प्रारंभिक से लेकर विशारद तक के सभी तालोंको लिपिबद्ध करें (ठेका, तत्कार, गिनती) (मात्र विलंम्बित लय)

## * नोंध :

उपर दिए गए विषयों में से किन्ही तीन विषयों पर गुरु के द्वारा शिष्यो को पेपर लिखने दिए जायेंगे और गुरुजीको उसे जाँच कर के ग्रेड देना है । वो जाँच किये हुए नियत कार्य क्रियात्मक परीक्षा लेने जो परीक्षक आये उसे देने होंगे ।

परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे.
क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक निरीक्षक नियत कार्य के अंग तय करेंगे ।

ए ग्रेड :- २५ से ३० अंक
बी ग्रेड :- २० से २४ अंक
सी ग्रेड :- १५ से १९ अंक